विज्ञान की देन

विज्ञान का अर्थ है-प्रकृति का विशेष ज्ञान अर्थात् साइंस। विज्ञान के बल पर मनुष्य ने प्रकृति की शक्तियों की खोज की, पदार्थों के गणों तथा उपयोगों का पता लगाया, अनेक यन्त्र बनाए। इन यन्त्रों से उसने जल, वायु, प्रकाश, आकाश और पृथ्वी को वश में करने की वश में करने की शक्ति प्राप्त कर ली।

विज्ञान ने पुराने संसार का रूप ही बदल दिया है। भाप से रेलगाड़ी, स्टीमर, कारखाने चलाए जाते हैं । पेट्रोल से मोटरें, बसें, ट्रक तथा वायुयान चलाए जाते हैं। महीनों में होने वाली यात्रा अब घण्टों में पूरी हो जाती है। इसीलिए कहते हैं कि विज्ञान ने दूरी कम कर दी है। मनुष्य के समय की बचत करके उसकी उम्र बढ़ा दी है।

सन्देश (आवाज) को भेजने के लिए विज्ञान से हमें टेलीफोन, तार, बेतार के तार, ग्रामोफोन, रेडियो और टेलीविजन प्राप्त हुए हैं। विजली की शक्ति से

रोशनी होती है, पंखे चलते हैं, ट्रामें चलती हैं, कारखाने चलते हैं, नलकूप चलते हैं, कूलर और फ्रिज चलते हैं।

रोगों को परखने तथा इलाज करने में भी विज्ञान से बड़ी सहायता मिला हैं। एक्स-रे से शरीर के अन्दर का फोटो लेना आसान हो गया है। हड्डी टूटी हो तो वह एक्स-रे फोटो में साफ दिखने लगती है। विटामिन की खोज करके भोजन भोजन के तत्त्वों का पता लगाया गया है। रोगों के टीके निकालकर कई तरह के रोगो से बचाव और इलाज की सुविधा कर दी गई है।

विज्ञान की कृपा से राकट बनाए गए हैं। इन्हीं की सहायता से मनुष्य चन्द्र की यात्रा कर आया है। विज्ञान की इतनी तरक्की हुई है कि आने वाले मौसम का अनुमान पहले ही कर लिया जाता है।

विज्ञान से मनुष्य ने कुछ बुरी चीजें भी बनाई हैं, जैसे-बम, बमवर्षक वायुयान तारपीडो, विषैली गैसें और परमाणु बम। परन्तु मनुष्यों को चाहिए

कि विज्ञान का मनुष्य जाति की भलाई के लिए ही प्रयोग करें। विज्ञान की देन इतनी हैं कि गिनाई नहीं जा सकतीं।